संख्या- 52 /1328/24-1-14-647(बजट)/2014

प्रेषक:

सुरेश कुमार शर्मा,
संयुक्त सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0,
शक्ति भवन, लखनऊ।

ऊर्जा अनुभाग-1 **लखनऊ : दिनांक 24 जून, 2014**

विषय:-वित्तीय वर्ष 2014-15 के लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि से विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को जारी किये गये बन्ध पत्रों पर देय ब्याज के भुगतान हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक (वित्त), उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 के पत्र संख्या-433/मप्र(वित्त)/विप्र-2/253/बजट-2014-15, दिनांक 05.06.2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 के प्रथम चार माहों (अप्रैल, 2014 से जुलाई, 2014 तक) के लिए लेखानुदान में ऊर्जा विभाग के अनुदान संख्या-09 के लिए आयोजनेत्तर के राजस्व मद में प्राविधानित धनराशि रू0 2,997,66,00,000/- (रूपये दो हजार नौ सौ सत्तानवे करोड़ छाछठ लाख मात्र) में से रू0 727,32,52,000/- (रूपये सात सौ सत्ताईस करोड़ बत्तीस लाख बावन हजार मात्र) को शासनादेश संख्या-39/647/24-1-14-647 (बजट)/2014, दिनांक 02 अप्रैल, 2014 द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी थी अब रू0 35,59,30,000/- (रूपये पैंतीस करोड़ उन्नसठ लाख तीस हजार मात्र) को आहरित जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2- उक्त प्रस्तर- 1 में स्वीकृत धनराशि का आहरण वित्तीय पुनर्गठन योजना के अन्तर्गत विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को जारी किये गये बन्ध पत्रों के देय ब्याज के भुगतान हेतु प्रत्येक दशा में माह जून, 2014 में आहरित कर लिया जाय। चूँकि यह व्यय विद्वुत वितरण निगमों की वित्तीय पुनर्गठन योजना के अन्तर्गत वचनबद्ध व्यय है, अत: इसमें किसी स्तर पर विलम्ब कदापि न किया जाय। किसी भी स्तर पर विलम्ब के लिए सम्बंधित का प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व होगा।

3- प्रस्तर- 1 में स्वीकृत धनराशि के आहरण हेतु कारपोरेशन के सक्षम प्राधिकारी द्वारा वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के प्रपत्र संख्या-42जी/शुद्ध पत्र संख्या- 426, दिनांक 13 जुलाई, 1971 द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर बिल बनाकर प्रतिहस्ताक्षर हेतु ऊर्जा अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

4- प्रस्तर- 1 में स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष समय-समय पर व्यय की गयी धनराशि का सम्पूर्ण विवरण यथा कोषागार का नाम जहाँ से धनराशि आहरित की गयी है, बाउचर संख्या, आहरण की तिथि, लेखाशीर्षक आदि तथा आहरित धनराशि के संबंध में उपयोगिता प्रमाण-पत्र महालेखाकार, उत्तर प्रदेश लखनऊ/ इलाहाबाद और ऊर्जा विभाग, तथा वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को नियमानुसार उपलब्ध कराने की बाध्यता होगी।

http://shasanadesh.up.nic.in

5- उक्त प्रस्तर- 1 में स्वीकृत धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में अन्य मदों में नहीं किया जायेगा।

6- इस शासनादेश में निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन निदेशक (वित्त), उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि0 द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

7- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-9 के लेखाशीर्षक "2801-बिजली-आयोजनेत्तर-05-संचरण तथा वितरण-800-अन्य व्यय-11-सार्वजनिक क्षेत्र की विद्वुत वितरण कम्पनियों की पुनर्गठन योजना के अन्तर्गत जारी बन्ध पत्रों पर ब्याज के भुगतान हेतु यू0पी0पी0सी0एल0 को अनुदान -20-सहायक अनुदान-सामान्य(गैर वेतन)" के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-ई-10-यू0ओ0-100/दस-2014, दिनांक 23 जून, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें है।

भवदीय,

(सुरेश कुमार शर्मा)
संयुक्त सचिव।

<u>संख्या- 52/1328(1)/24-1-14, तददिनांक।</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- महालेखाकार, (लेखा एव हकदारी) प्रथम, उ0प्र0 सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद 211001।
2- महालेखाकार, (आर्थिक एवं राजस्व लेखा परीक्षा), उ0प्र0, छठवां तल केन्द्रीय भवन, सेक्टर-एच, अलीगंज लखनऊ।
3- मुख्य कोषाधिकारी, लखनऊ।
4- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-10/ वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
5- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(सुरेश कुमार शर्मा)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in